By -Akhilesh Kumar (GT Assist. Professor)
JK college Biraul Darbhanga
YouTube :A commerce Education

Notes BY: AKHILESH KUMAR(Guest Teacher)

DEPARTMENT OF COMMERCE

JANTA KOSHI COLLEGE BIRAUL, DARBHANGA

FOR-LNMU B. Com part-2 Subsidiary paper -3 Indian economy and entrepreneurship development

***Unit- 5 Entrepreneurship Development* And For I. com**

Entrepreneurship Date-14-07-2020

प्रश्न - उद्यमकर्ता (Entrepreneur) से क्या तात्पर्य है? व्यवसाय में उसकी क्या भूमिका है?

उत्तर- उद्यमकर्ता या साहसी (Entrepreneur)- उद्यमकर्ता वह व्यक्ति है जिसने किसी व्यवसाय को प्रारम्भ करने की कल्पना की हो, संगठन को मूर्तरूप प्रदान किया हो तथा व्यवसाय कार्य को चला रहा हो तथा हानि की जोखिम को उठाने के लिए तैयार हो।

साहसी वह व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह है, जो एक नवीन व्यावसायिक उपक्रम के अस्तित्व के लिए उत्तरदायी होता है। साहसी ही व्यावसायिक जोखिमों व अनिश्चितताओं का सामना करता है और नवप्रवर्तन द्वारा अर्थव्यवस्था में नवीनताओं को

जन्म देता है तथा सामाजिक हित में निर्णय लेकर गतिशील नेतृत्व प्रदान करता है।

उद्यमकर्ता (साहसी) की विशेषताएँ व लक्षण:

1.साहसी एक व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह हो सकता है।

2.साहसी उपक्रम की स्थापना में आने वाली जोखिमों व अनिश्चितताओं का सामना करता है।

3. साहसी नवीन उत्पाद, नवीन उत्पादन विधि, नवीन यंत्र, नवीन कच्चे माल का प्रयोग एवं नवीन बाजार की खोज करके नवप्रवर्तन का कार्य करता है।

4.साहसी व्यवसाय की स्थापना हेतु आवश्यक विभिन्न संसाधन, जैसे-भूमि, पूँजी, श्रम आदि की व्यवस्था करता है।

5. साहसी कठोर परिश्रम द्वारा उच्च उपलब्धियों की प्राप्ति में विश्वास रखते हैं।

6.साहसी आशावादी होते हैं। वे चुनौतियों से डरते नहीं, बल्कि उनका सामना करते हैं।

7. साहसी व्यावसायिक अवसरों की खोज करते हैं और उनका विदोहन करके लाभ अर्जित करने को तत्पर रहते हैं।

8. साहसी का प्रतिफल लाभ है।

9. साहसी पैदा नहीं होते, बनाए जाते हैं।

❖ व्यवसाय में उद्यमकर्ता की भूमिका–

किसी भी व्यवसाय की स्थापना में उद्यमकर्ता की विशेष भूमिका होती है। साहसी को उद्योग का आधार-स्तम्भ कहा जाता है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री मार्शल ने साहसी को उद्योग या उपक्रम के कप्तान की संज्ञा दी है। वास्तव में साहसी न केवल जोखिम व अनिश्चितताओं का सामना । करता है बल्कि वह उद्योग का प्रबन्धक, भविष्य द्रष्टा व आर्थिक नियोजक भी होता है। साहसी व्यवसाय की स्थापना हेतु आवश्यक विभिन्न संसाधनों, जैसे-पूँजी, श्रम, भूमि, यन्त्र आदि की व्यवस्था करता है।